jftLVªh laö Mhö ,yö&33004@99 REGD. NO. D. L.-33004/99

vlk/kj.k

EXTRAORDINARY

Hkkx II—[k.M 3—mi&[k.M (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

izkf/dkj ls izdkf'kr

PUBLISHED BY AUTHORITY

la- 284] ubZ fnYyh] c`gLifrokj] vçSy 13] 2017@pS=k 23] 1939 No. 284] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 13, 2017/CHAITRA 23, 1939

शहरी िवकास मं ालय

अिधसूचना

नई ᳰद ली, 11 अ ैल, 2017

सा.का.िन. 353(अ).—के ीय सरकार, मे ो रेल (चालन और अनुर ण) अिधिनयम, 2002 (2002 का 60) क धारा 53 क उप-धारा (3) और धारा 57 के साथ पᳯठत, धारा 56 क उपधारा (2) के खंड (iii) और धारा 100 क उपधारा (2) के खंड (घ) ारा दत शि य का योग करते ए, और

(i)ᳰद ली मे ो रेल (दुघटना के कारण मृ यु और घायल होने के मामले म दावा आयु त ारा अपनाई जाने वाली ᳰ या और ितपू त क रािश) िनयम, 2007

(ii)बंगलौर मे ो रेल (दाव हेतु ᳰ या) िनयम, 2001 और

(iii)चे नई मे ो रेल (दाव क ᳰ या) िनयम, 2014 के अिध मण म, उन बात के िसवाय अिध ा त करते ए, िज ह ऐसे अिध मण से पूव ᳰकया गया है या करने का लोप ᳰकया गया है, िन िलिखत िनयम बनाती है अथात :- 1. संि त नाम और ारंभ (1) इन िनयम का संि त नाम मे ो रेल (दाव क ᳰ या) िनयम, 2017 है।

(2) ये राजप म काशन क तारीख को वृ त ह गे ।

2.

पᳯरभाषाएं-(1) इन िनयम म, जब तक संदभ से अ यथा अपेि त न हो,

(क) ''अिधिनयम'' से मे ो रेल (चालन और अनुर ण) अिधिनयम, 2002 (2002 का 60) अिभ ेत है ;

(ख) ''दावा आयु त'' से अिधिनयम क धारा 48 के अधीन िनयु त दावा आयु त अिभ ेत है ;

(ग) ''आवेदक'' से अिधिनयम क धारा 58 के अधीन दावा आयु त को आवेदन करने वाला कोई

यि□ त अिभ ेत है ;

2507 GI/2017 (1)

(घ) ''ॠाॢप'' से इन िनयम□ से संल□ न ॠाॢप अिभ ेत है ;

(ड़) ''िविध ॣयवसायी'' का वही अथᭅ होगा जो अिधव□ ता अिधिनयम, 1961 (1961 का 25) कᳱ

धारा 2 के

खंड (i) मᱶ उसका है ;

(च) ''िविधक ितिनिध'' से ऐसा ॣयि□ त अिभ ेत है जो िविध कᳱ दिृ ट मᱶ मृतक ॣयि□

त कᳱ संपदा का

ितिनिधᮢ व करता है ;

(छ) ''अनुसूची'' से इन िनयम□ से संल□ न अनुसूची अिभ ेत है ;

(ज) ''धारा'' से अिधिनयम कᳱ कोई धारा अिभ ेत है ।

(2) उन श᭣ द□ और पद□ के, जो इन िनयम□ मᱶ युक्□ त ह., पर पᳯरभािषत नहᱭ है, लेᳰकन

इस अिधिनयम मᱶ

पᳯरभािषत ह., वही अथᭅ है जो मशः उस अिधिनयम मᱶ है।

3. आवेदन फाइल करने कᳱ ᳰया – (1) मेᮝो रेल के कामकाज के दौरान घᳯटत ऐसी दुघᭅटना□ कᳱ

बाबत ितकर के

संदाय के िलए, िजसमᱶ ᳰकसी ॣयि□ त कᳱ मृᮢ यु या शारीᳯरक ᭃित अथवा ᳰकसी संपिᮢ त को

कोई नुकसान अंतवᭅिलत है,

दावा आयु□ त को आवेदन, या तो आवेदक ᳇ारा ॣयि□ तगत ॢप से या उसके स᭥ यक ॢप से

ािधकृत िविधक

ितिनिधय□ ᳇ारा थम अनुसूची मᱶ ᳰदए गए ॢप मᱶ तुत ᳰकया जाएगा ;

परंतु दावा आयु□ त को कोई आवेदन रिजᮝीकृत डाक ᳇ारा भी भेजा जा सकेगा।

(2) उपिनयम (1) के अधीन िनᳶदᭅ ट आवेदन दो ितय□ मᱶ तुत ᳰकया जाएगा ।

(3) ंत्येक आवेदन अच्छी गुणव० ता वाले कागज के एक ओर दोहरे अंतराल मं पृ ट ३प से टंठकत होगा ।

4. आवेदन कइ संवीं ा – (1) दावा आयु त ंत्येक आवेदन पर ऐसी तारीख का पृ ठांकन करेगा, िजसको िनयम 3 के

अधीन यह ंं तुत या ंं त ठकया जाता है और पृ ठांकन पर हं ता र करेगा ।

(2) संवीं ा करने पर यठद आवेदन उिचत पाया जाता है तो उसे रिजं ीकृत ठकया जाएगा और

म सं यांक

ठदया जाएगा ।

(3) संवीं ा करने पर यठद आवेदन मं कोई दोष पाया जाता है और अवलोठकत दोष औपचा रक

ंकृित का है तो

दावा आयु त, आवेदक को, अपनी उपिं थित मं उसका सुधार करने के िलए अनु ात कर सकेगा

और यठद दोष

औपचा रक ंकृित का नहठ है तो दावा आयु त को दोष का सुधार करने के िलए ऐसा समय

अनु ात कर सकेगा जो

वह ठीक समझे ।

(4) यठद आवेदक उपिनयम (3) के अधीन अनु ात समय के भीतर दोष सुधारने मं असफल रहता है तो

दावा

आयु त, आदेश ारा और लेखब ठकए जाने वाले कारण से आवेदन को रिजं टर करने से इंकार

कर सकेगा और

तदनुसार आवेदक को अिधसूिचत कर सकेगा ।

(5) यिथत यि त ारा उपिनयम (4) के अधीन पा रत आदेश के िव कोई अपील ऐसे आदेश

कइ तारीख से

पं ह ठदन के भीतर कइ जा सकेगी और दावा आयु त ारा ऐसी अपील पर िवचार ठकया जाएगा

और उसका िनपटारा

ठकया जाएगा ।

5. मै ो रेल ंशासन को सूचना – (1) दावा आयु त, मे ो रेल ंशासन का सूचना, उसमं िविनंद ट कइ

जाने वाली सुनवाई कइ

तारीख को आवेदन के िव कारण बताने के िलए जारी करेगा ।

(2) उपिनयम (1) मꠐ िनंदꠑ ट सूचना के साथ आवेदन कꠒ एक ꠓित संल꠆ न कꠒ जाएगी ।

(3) यꠔद मैꠕो रेल ꠓशासन का ꠓितिनिध उपिनयम (1) मꠐ िनंदꠑ ट सूचना मꠐ िविनंदꠑ ट

तारीख को हािजर नहꠖ होता
है या हािजर होता है और दावे को मंजूर कर लेता है तो दावा आयु꠆ त तुरंत आवेदन का िनपटारा करने के िलए

कायꠗवाही करेगा ।

¹Hkkx IIμ[k.M 3(i)º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 3

(4) यꠔद मेꠕो रेल ꠓशासन दावे का िवरोध करता है तो वह सुनवाई कꠒ तारीख को या उसके पूवꠗ

ऐसे द꠸ तावेज कꠒ

ꠓित के साथ, िजसका उसने अवल꠹ ब िलया है, उ꠺ तर फाइल कर सकता है और ऐसा उ꠺ तर तथा

द꠸ तावेज कꠒ ꠓितयां

अिभलेख के भाग के ꠻प मꠐ ह꠆गी ।

6. शपथप꠼ का फाइल ꠔकया जाना – (1) दावा आयु꠆ त आवेदक और मैꠕो रेल ꠓशासन को अपने दावे के, यꠔद

कोई हो,

समथꠗन मꠐ शपथप꠼ ꠽ारा सा꠾ य देने का िनदेश दे सकेगा ।

(2) उप िनयम (1) मꠐ ꠔकसी बात के होते ꠿ए भी, जहां दावा आयु꠆ त मामले के उिचत िविन꡸ चय के

िलए यह

आव꡸ यक समझाता है, वहां वह ꠔकसी अिभसा꡹꡺ी कꠒ ꠓित-परी꡹꡺ा का आदेश दे सकेगा ।

7. ꠓ꠺ यथ꡻꠽ारा उ꠺ तर और अ꡼ य द꠸ तावेज़꠆ का फाइल ꠔकया जाना – (1) मैꠕो रेल ꠓशासन आवेदन

कꠒ सुनवाई कꠒ तारीख को या उसके पूवꠗ आवेदन और द꠸ तावेज꠆ कꠒ ꠓितय꠆ का उ꠺ तर फाइल कर सकेगा ।

(2) उप िनयम (1) के अधीन फाइल ꠔकए गए उ꠺ तर मꠐ मैꠕो रेल ꠓशासन आवेदन मꠐ किथत त꡽

य꠆ को िविनंदꠑ ट ꠻प

से ꠸ वीकार, इंकार या ꠸ प꡾ ट करेगा और अपने उ꠺ तर मꠐ ऐसे अित꡿र꠆ त त꡽ य꠆ का कथन करेगा जो

आव꡸ यक हो ।

8. आवेदन का सं◌िं◌ि◌ ◌ त ◌िनपटारा – दावा आयु□ त, आवेदन पर ◌िवचार करने के प◌ं चात् य◌ठद लेखब□ ठकए जाने वाले कारण□ से

उसक◌ऽ यह राय हे ठक काय◌ॢ◌वाही के ◌िलए कोई पया◌ॢ◌ ◌ त कारण नह◌ऌ है तो आवेदन को सं◌िं◌ ◌प म◌ऌ खा◌ॣरज कर सकेगा ।

9. आवेदन क◌ऽ एक प◌ि◌ ◌ीय सुनवाई और ◌िनपटारा – (1) जहां आवेदन क◌ऽ सुनवाई के ◌िलए ◌िनयत तारीख को या ठकसी अ३ य

ऐसी तारीख को, ◌िजसके ◌िलए ऐसी सुनवाई ◌ं थिगत क◌ऽ जाए, आवेदक हा◌िजर होता है और मैG◌ो रेल ◌ꙃशासन का ◌ꙃ◌िततिनिध

हा◌िजर नह◌ऌ होता है तो दावा आयु□ त अपने ◌िववेका◌िधकार से सुनवाई को ◌ं थिगत कर सकेगा या आवेदन क◌ऽ एक प◌ि◌ ◌ीय सुनवाई ◌िविन◌ं चय कर सकेगा ।

(2) जहां मैG◌ो रेल ◌ꙃशासन के ◌िव◌ऋ□ ठकसी आवेदन क◌ऽ सुनवाई एक प◌ि◌ ◌ीय क◌ऽ जा रही है वहां मैG◌ो रेल ◌ꙃशासन दावा आयु□ त को उसे अपा◌ं त करने के आदेश के ◌िलए आवेदन कर सकेगा और य◌ठद आवेदक दावा आयु□ त का यह समाधान कर देता है ठक सूचना क◌ऽ स◌ ्यक ◌ऋप से तामील नह◌ऌ ◌ऋई थी या उसके ◌ꙃ◌िततिनिध को ठकसी पया◌ॢ◌ ◌ त कारण से हा◌िजर होने से ◌िनवा◌ॣरत ठकया गया था तो दावा आयु□ ऐसे ◌िनबंधन□ के आधार पर जो वह ठीक समझे एक प◌ि◌ ◌ीय सुनवाई को अपा◌ं त करने का आदेश पा◌ॣरत कर सकेगा और आवेदन पर काय◌ॢ◌वाही के ◌िलए ठदन ◌िनयत करेगा ।

10. ◌ृ यि□Gम म◌ऌ आवेदन का ◌िनपटारा – (1) आवेदन पर सुनवाई के ◌िलए ◌िविन◌ं चत तारीख को या ठकसी अ३ य तारीख को,

◌िजसके ऐसी सुनवाई ◌ं थिगत क◌ऽ जाए, मैG◌ो रेल ◌ꙃशासन का ◌ꙃ◌िततिनिध हा◌िजर होता है और आवेदक हा◌िजर नह◌ऌ होता है, वहां

दावा आयु□ त अपने ◌िववेका◌िधकार से सुनवाई ◌ं थिगत कर सकेगा या आवेदन क◌ऽ ◌ृ यितGम म◌ऌ सुनवाई कर सकेगा और ◌िनपटारा कर सकेगा ।

(2) जहां आवेदन के ◌िव◌ऋ□ ◌ृ यितGम म◌ऌ ठकसी आवेदन क◌ऽ सुनवाई क◌ऽ जाती है और उसका ◌िनपटारा ठकया जाता है वहां आवेदक उसे अपा◌ं त करने के ◌िलए कोई आदेश करने हेतु दावा आयु□ त को आवेदन कर सकेगा और य◌ठद आवेदक दावा आयु□ त का यह समाधान कर देता है ठक सूचना क◌ऽ

स꠶ यक ᳯप से तामील नह᳴ ᱟई थी या उसे पया᳙᳘ त कारण से हािजर होने से रोका गया था तो दावा आयु त ऐसे िनबंधन के आधार पर जो वह ठीक समझे ᳇ यितᮓम मᱶ खाᳯरजी को अपा᭭ त करने का आदेश कर सकेगा और आवेदन पर कायᱷवाही करने के िलए ᳰदन िनयत करेगा ।

11. सािᭃय को समन करना और सा᭯ य अिभिलिखत करने कᳱ पित – (1) यᳰद कायᱷवािहय कᳱ ᳰकसी पᭃकार ᳇ारा

सािᭃय को समन करने के िलए कोई आवेदन ᮧ᭭ तुत ᳰकया जाता है तो दावा आयु त, ऐसे सािᭃय को हािजर होने के िलए

समन जारी करेगा जब तक ᳰक वह यह नह᳴ समझता है ᳰक उनकᳱ हािजरी मामले के उिचत िविन᳟ चय के िलए आव᭫ यक नह᳴ है ।

(2) साᭃी कᳱ परीᭃा ᮧारंभ होने पर दावा आयु त, ᮧ᭜ येक साᭃी के सा᭯ य के सार का

संिᭃ᳙ त ᭄ापन करेगा और

ऐसा ᭄ापन अिभलेख का भाग होगा:

पर᭠ तु यᳰद दावा आयु त ऐसा ᭄ापन नह᳴ करता है तो वह ऐसा करने कᳱ अपनी असमथᱷता के कारण को अिभिलिखत करेगा और िलिखत मᱶ ऐसा ᭄ापन करवाएगा और उस पर ह᭭ ताᭃर करेगा और ऐसा ᭄ापन अिभलेख का भाग होगा ।

12. दावा आयु त का िविन᳟ चय – दावा आयु त द᭭ तावेज, शपथपᮢ और अ᭠ य सा᭯ य,यᳰद कोई हो, के पᳯरशीलन के आधार

पर यथासंभव शीᮖता के साथ और ऐसी मौिखक दलील को, जो दी जाएं, सुनने के प᳟ चात् ᮧ᭜ येक आवेदन का िविन᳟ चय करेगा ।

13. आदेश का पाᳯरत और ह᭭ ताᭃᳯरत ᳰकया जाना – (1) दावा आयु त, आवेदक और मैᮝो रेल ᮧशासन को सुनने के प᳟ चात् या तो तुरंत या उसके प᳟ चात् यथासा᭟ य शीᮖता से ऐसा आदेश पाᳯरत करेगा जो वह ठीक समझे ।

(2) दावा आयु त का ᮧ᭜ येक आदेश िलिखत ᳯप मᱶ होगा और उसके ᳇ारा ह᭭ ताᭃᳯरत होगा ।

(3) दावा आयु त ारा ठकए गए ठकसी आदेश का िन् पादन िसिवल ३ यायालय क॰ िडᏀ॰ के ॖप म᳖ ठकया जाएगा और जहां तक हो सके िसिवल ᮧᠠᏀया संिहता, 1908 के उपबंध उसी ᮧकार लागू ह गे जैसे वे िसिवल ३ यायालय क॰ िडᏀ॰ क॰ बाबत लागू होते ह. ।

14. िविन᳟ चय का पुनᳶवᭅलोकन – (1) दावा आयु त के ठकसी आदेश से ᳞ यिथत कोई ᳞ यि, अिभलेख को देखने से ᮧकट होने वाली ठकसी ᮢुᳯट या गलती के कारण या ठकसी अ३ य पयाᭅ ᳙ त कारण से दावा आयु त को ठकसी ऐसे अंितम आदेश के पुनᳶवᭅलोकन के िलए आवेदन कर सकेगा, जो अंतवᭅतᱮ आदेश नहᱭ है ।

(2) जहां दावा आयु त को यह ᮧतीत होता है, पुनᳶवᭅलोकन का कोई पयाᭅ ᳙ त आधार नहᱭ है वहां वह आवेदन को नामंजूर कर देगा ।

(3) जहां दावा आयु त, का पुनᳶवᭅलोकन के आवेदन म᳖ ठकए गए आधार का समाधान हो जाता है और उसे ३ याय के िहत म᳖ समझता है तो वह पुनᳶवᭅलोकन के िलए आवेदन को मंजूर करेगा:

परंतु पुनᳶवᭅलोकन के िलए कोई आवेदन, मैᮝो रेल ᮧशासन को पूवᭅ सूचना ठदए िबना या उसे हािजर होने के िलए और उस आदेश के समथᭅन म᳖, िजसके पुनᳶवᭅलोकन के िलए आवेदन ठकया है, सुनवाई के िलए समथᭅ बनाए िबना मंजूर नहᱭ ठकया जाएगा ।

15. दावा आयु त ारा आदेश या िनदेश – इन िनयम क॰ ठकसी बात को, ऐसे आदेश पाᳯरत करने या ऐसे िनदेश देने क॰, जो दावा आयु त के आदेश को ᮧभावी करने के िलए या ᮧᠠᏀया के दुॖपयोग को रोकने के िलए या ३ याय के उे᳤ य को ᮧा᳙ त करने के िलए आव᳤ यक या समीचीन हो, उसक॰ शि को सीिमत करने या अ३ यथा ᮧभािवत करने वाली नहᱭ समझा जाएगा ।

16. िवशेष᭄ᲂ का संगम – (1) दावा आयु त, ᮧितकर के ठकसी दावे का अवधारण करने के ᮧयोजन के िलए एक या अिधक ऐसे िवशेष᭄ᲂ को, जो जांच से सुसंगत ठकसी िवषय क॰ कोई जानकारी रखते ह., सहब कर सकेगा ।

(2) दावा आयु□ त, उपिनयम (1) के अधीन जांच से सहब□ ३ यि□य□ को ऐसी फड़स या भ० त□ के संदाय करने का आदेश दे सकेगा जो वह ठीक समझे और उसका संदाय मैट्रो रेल ◌ृशासन ◌ारा ठकया जाएगा ।

17. ◌ृितकर कड़ रकम – (1) मृ० यु या ◌ितय□ कड़ बाबत संदेय ◌ृितकर कड़ रकम दूसरी अनुसूची म७ यथािविनंदष्ट ट होगी ।

(2) ठकसी ऐसी ◌ित के िलए संदेय ◌ृितकर कड़ रकम, जो दूसरी अनुसूची के भाग 2 या भाग 3 म७ िविनंदष्ट ट नह८ है ॅकंतु जो दावा आयु□ त कड़ राय म७ ऐसी है जो ठकसी ३ यि□ को ठकसी ◌ृकार का कायष्ण करने कड़ उसकड़ संपूणष्ण ◌मता से वंिचत करती है, चार लाख ७पये होगी ।

(3) ठकसी ऐसी ◌ित कड़ बाबत संदेय ◌ृितकर कड़ रकम (दूसरी अनुसूची म७ िविनंदष्ट ट या उपिनयम (2) िनंदष्ट ट ठकसी ऐसी ◌ित से िभ३ न) िजसका पठरणाम पीड़ा और वेदना है) ऐसी होगी जो दावा आयुक् त मामले कड़ अ३ य पठरि◌थितय□ के अितठर□ त, िचठक० सा सा◌ य पर िवचार करने के प◌ चात् युि□यु□ त अवधाठरत करे :

¹Hkkx IIµ[k.M 3(i)º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 5

पर३ तु यठद एक ही दुघष्णटना म७ एक से अिधक ◌ित काठरत होती है तो ऐसी ◌ृ० येक ◌ित कड़ बाबत ◌ृितकर का संदाय ठकया जाएगा ।

पर३ तु यह और ठक ऐसी सभी ◌ितय□ कड़ बाबत कुल ◌ृितकर अ◌ सी हजार ७पये से अिधक नह८ होगा । (4) जहां ठकसी ऐसी ◌ित के िलए ◌ृितकर संद० त ठकया गया है जो उस रकम से कम है िजसका ◌ृितकर के ७प म७ संदाय तब ठकया जाएगा जब ◌ित◌ त ३ यि□ कड़ मृ० यु हो जाती है या त० प◌ चात् ३ यि□ कड़ ◌ित के कारण मृ० यु हो जाती है, वहां मृ० यु के िलए संदेय रकम या पहले संद० त कड़ गई रकम के बीच के अंतर के बराबर और ◌ृित कर संद० त ठकया जाएगा ।

(5) ठकसी या◌ी ◌ारा उसके ३ यि□गत सामान के ७प म७ वहन ठकए जाने वाले माल कड़ हािन, िवनाश या ◌य के िलए ◌ृितकर का संदाय उस सीमा तक ठकया जाएगा जो दावा आयु□ त मामले कड़ सभी पठरि◌थितय□ को देखते ७ए युि□यु□ त अवधाठरत करे ।

18. ॒ितकर क§ सीमा – िनयम 17 म७ ठकसी बात के होते ७ए भी उस िनयम के अधीन संदेय कुल ॒ितकर ठकसी भी दशा म७ ठकसी एक ॢ यि□ क§ बाबत पांच लाख ॳपये से अिधक नह८ होगा ।

पहली अनुसूची

॒ॳप

(िनयम 3 देिखए)

यािॖय□ क§ मृ० यु या ॕित अथवा उनके ॾारा अपने ॢ यि□ तगत सामान के ॳप म७ वहन ठकए जा रहे माल के िवनाश या नुकसान क§ बाबत ॒ितकर के दावे के िलए मैᅡो रेल (॒चालन और अनुरॕण) अिधनियम, 2002 (200 का 60) क§ धारा 58 के अधीन आवेदन ।

भाग 1

मामले क§ तारीख :
मामले का समय :

भाग 2

ᅲम सं□ या	संल□ न ठकए गए द˖ तावेज□ का िववरण	प० ठ सं□ या
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

दावा आयु□ त कायाᄻलय के उपयोग के िलए आवेदक के

ह˖ ताॕर फाइल करने क§ तारीख

या

डाक ॾारा ॒ा७ त करने क§ तारीख

रिज˖ ᅡीकरण सं□ या

भाग – III

दावा आयु□ त के कायाᄻलय म७

....आवेदक

और

मेᅡो रेल ॒शासन के मᆬ य

1.आवेदक कऽ िविशि्

टयां :
नाम और पता

2.दावे का मू५ य

3. (i) मामले के तः य :

(यहां कालानुʎम मƞ तः य का संिʅ˒ त कथन करƞ, ̈० येक पैरा मƞ यथा संभव पृथक मुʡे, तः य और अ३ य बांते अंतɓवʼ् ट कऽ जाएं ।)

(ii) (क) मांगी गई राहत कऽ ̈कृित

(ख) राहत का आधार

4. (i) िवषय जो पहले ϐकसी अ३ य ३ यायालय मƞ फाइल न ϐकए गए ह या लंिबत न ह (बताएं ϐक या आवेदक ने उन िवषय के संबंध मƞ िजनकऽ बाबत वतɕमान आवेदन ϐकया गया है पूवɕ मƞ कोई दावा, ϝरट यािचका या वाद फाइल ϐकया है)

(ii) यϐद आवेदक ने पूवɕ मƞ कोई, आवेदन, बाद ϝरट यािचका फाइल कऽ है तो उपदɓशɕत करƞ ϐक वह ϐकस ̈ʎम पर लंिबत है और यϐद िविनʮ चय ϐकया जा चुका है तो आदेश कऽ ̈मािणत ̈ित संल न करƞ ।

5.संल नक कऽ सूची

1
2
3
4
5

स०

यापन

म., ... (आवेदक का नाम)

पु्/पु्ी/प० नी

....आय...

िनवासी..यह स० यािपत करता ߝं/करती ߝं ϐक पैरा ....से पैरा ....तक मƞ दी गई अंतवɕ̄ तु पर मेरे सव० तम ्ान या मुझे दी गई

िविधक सलाह के आधार पर सही होने का िवं वास ठकया जाता है और म.ने ठकसी सारवान तः य को िछपाया नहρ है ।

आवेदक के

हं तािर

पूरा पता तारीख :

स् थान :

[1]Hkkx IIµ[k.M 3(i)º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 7

दूसरी अनुसूची

(िनयम 17 देिखए)

मृ० यु और ििितय के िलए

संदेय ि◌तिकर

भाग I

ϐम सं या	ििति कऽ ि◌कित	ि◌तिकर कऽ रकम (ϧपये)
(1)	(2)	(3)
मृ० यु के िलए		5,00,000

भाग II

(1)	(2)	(3)
1.	दोन हाथ कऽ हािन अथवा उϣ चतर ं थान पर	4,00,000
2.	एक हाथ और एक पाद कऽ हािन के िलए	4,00,000
3.	टांग या उϠ से दोहरा िवϣ छेदन या एक और टांग या	4,00,000
4.	दक शि त कऽ इस िवं तार तक कऽ हािन के िलए	4,00,000
5.	चेहरे कऽ बϋत गंभीर िवंूपता के िलए	4,00,000
6.	पूणϗ बिधरता के िलए	4,00,000

भाग III

(1)	(2)	(3)
1.	कंध संिध से िवϣ छेदन के िलए	3,60,000
2.	कंध से नीचे से िवϣ छेदन के िलए जब के ं थूणक अंसूकट के	3,20,000
3.	अंसूकट िसरे से आठ इंच से कूपϗर के िसरे के नीचे से साढ़े चार इंच	2,80,000
4.	एक हाथ कऽ या एक हाथ के अंगूठे कऽ और चार अंगुिलय कऽ	2,40,000
5.	अंगूठे कऽ हािन के िलए	1,20,000

6.	अंगूठे कऽ और उसकऽ करभ-अि̐थ कऽ हािन के िलए	1,60,000
7.	एक हाथ कऽ चार अंगुिलय□ कऽ हािन के िलए	2,00,000
8.	एक हाथ कऽ तीन अंगुिलय□ कऽ हािन के िलए	1,20,000
9.	एक हाथ कऽ दो अंगुिलय□ कऽ हािन के िलए	80,000
10.	अंगूठे कऽ अंितम अंगुिल-अि̐थ कऽ हािन के िलए	80,000
11.	दोन□ पाद□ के िवच्छेदन के िलए िजसके पिरणाम̐वरूप अंतांग	3,60,000
12.	ृपदांगुिल – अि̐थ संिध के िनकट से दोन□ पाद□ के िवच्छे	3,20,000
13.	ृपदांगुिल – अि̐थ संिध से दोन□ पाद□ कऽ सभी अंगुिलय□	1,60,000
14.	िनकट̐थ अंतरांगुिल-अि̐थ संिध के िनकट दोन□ पाद□ कऽ	1,20,000
15.	िनकट̐थ अंतरांगुिल-अि̐थ संिध से दूर दोन□ पाद□ कऽ सभी	80,000
16.	िनतंब पर िवच्छेदन के िलए	3,60,000
17.	िनतंब से नीचे िवच्छेदन के िलए जब ठक बृहत उरु-अि̐थ के	3,20,000
18.	िनतंब से नीचे िवच्छेदन के िलए जब ठक बृहत उरु-अि̐थ के	2,80,000
19.	मध्य योरु के नीचे से घुटने के साढ़े तीन इंच तक नीचे के िवच्छेदन के	2,40,000
20.	घुटने के नीचे िवच्छेदन के िलए जबठक ̐थूणक 3/12 इंच से	2,00,000
21.	अधरांगघात के साथ मेरुदंड का अि̐थभंग	2,00,000
22.	घुटने के नीचे िवच्छेदन जब ठक ̐थूणक 5 इंच से अिधक हो	1,60,000
23.	एक ने्र कऽ हािन के िलए जब ठक कोई अ३य उप̐व न हो और	1,60,000
24.	एक पाद के िवच्छेदन के िलए िजसके पिरणाम ̐वरूप अ३तांग	1,20,000
25.	ृपदांगुिल अि̐थ संिध के िनकट से एक पाद के िवच्छेदन के	1,20,000
26.	अधरांगघात के िबना मेरुदंड का अि̐थभंग	1,20,000
27.	एक ने्र कऽ दृि्ट कऽ हािन जब ठक ने्रगोलक मढ उप̐व या	1,20,000
28.	ृपदांगुिल अि̐थ संिध से एक पाद कऽ सभी अंगुिलय□ कऽ	80,000
29.	िनतंब के जोड़ का अि̐थ भंग	80,000
30.	मु□य अि̐थ – दोन□ अंगो कऽ ऊवार्ि̐थरथ, अंतजार्ि̐घका का	80,000
31.	मु□य अि̐थ – दोन□ अंगो कऽ ृगिणडका, रेिडयस का अि̐थ भंग	60,000
32.	पेि̐वस का अि̐थभंग िजसमढ जोड़ अंतवर्ि̐लत नहढ है	40,000
33.	मु□य अि̐थ – एग अंग कऽ ऊवार्ि̐थ, अंतजार्ि̐घका का अि̐	40,000

34.	मु य अि थ – एक अंग कऽ ःगिणडका, रेिडयस और अलना का	32,000

[फा.सं. के-14011/18/2016-एमआरटीएस-II]

मुकु३ द कुमार िस३ हा, िवशेष कायॐा अधिकारी (शहरी पिरवहन) और पदेन संयु त सिचव

[1]Hkkx IIμ[k.M 3(i)º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 9

MINISTRYOF URBAN DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th April, 2017

G.S.R. 353(E).—In exercise of the powers conferred by clause (iii) of sub-section (2) of section 56 and clause (d) of sub-section (2) of section 100 read with sub-section (3) of section 53 and section 57 of the Metro Railways (Operation and Maintenance) Act, 2002 (60 of 2002) and in supersession of

(i) The Delhi Metro Rail (Procedure to be followed by Claims Commissioner and Amount of Compensation paid in case of Death and Injuries due to Accidents) Rules, 2007,

(ii) The Bangalore Metro Rail (Procedure for Claims) Rules, 2001 and

(iii) The Chennai Metro Rail (Procedure of Claims) Rules, 2014, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement. - (1) These rules may be called the Metro Railways (Procedure of Claims) Rules, 2017.

2. Definitions. - (1) In these rules, unless he context otherwise requires,

(a) "Act" means the Metro Railways (Operation and Maintenance) Act, 2002 (60 of 2002);

(b) "Claims Commissioner" means the Claims Commissioner appointed under section 48 of the Act;

(c) "applicant" means a person making an application to the Claims Commissioner under section 58 of the Act;

(d) "Form" means a form appended to these rules;

(e) "legal practitioner" shall have the same meaning as assignedto it under clause (i) of section 2 of the Advocates Act, 1961 (25 of 1961);

(f) "legal representative" means a person who in law represents the estate of the deceased;

(g) "Schedule" means a Schedule appended to these rules;

(h) "section" means a section of the Act.

(2) The words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them.

3. Procedure for filing applications.-(1) The application for payment of compensation in respect of accidents involving death, or bodily injury to person or damage to any property arising out of the working of the Metro Railway to the Claims Commissioner shall be presented in the Form given in the First Schedule either by the applicant in person or by his duly authorised legal representative:

Provided that an application may also be sent by registered post to the Claims Commissioner.

(2) The application referred to in sub-rule (1) shall be presented in duplicate.

(3) Every application shall be typed legibly in double space on one side of paper of good quality.

4. Scrutiny of application.- (1) The Claims Commissioner shall endorse on every application the date on which it is presented or received under rule 3 and sign the endorsement.

(2) If the application on scrutiny is found to be in order, it shall be registered and given a serial number.

(3) If the application on scrutiny is found to be defective and the defect noticed is formal in nature, the Claims Commissioner may allow the applicant, to rectify the same in his presence and if the defect is not formal in nature, the Claims Commissioner may allow the applicant such time to rectify the defect as he may deem fit.

(4) If the applicant fails to rectify the defect within the time allowed under sub-rule (3), the Claims Commissioner may , by order and for reasons to be recorded in writing, decline to register the application and notify the applicant accordingly.

(5) An appeal against the order passed under sub-rule (4) may be preferred by the persons aggrieved within fifteen days from the date of such order and such appeal shall be dealt with and disposed of by the Claims Commissioner.

5. Notice to Metro Railway Administration.-(1) The Claims Commissioner shall issue notice to Metro Railway Administration to show cause against the application on a date of hearing to be specified therein.

(2) The notice referred to in sub-rule (1) shall be accompanied by a copy of the application.

(3) If the representative of Metro Railway Administration does not appear on the date specified in the notice referred to in sub-rule (1) or appears and admits the claim, the Claims Commissioner shall forthwith proceed to disposeof the application.

(4) If the Metro Railway Administration contests the claim, it may file a reply along with copy of such document on which it relies on or before the date of hearing and such reply and copies of the documents shall form part of the record.

6. Filing of an Affidavit.-(1) The Claims Commissioner may direct the applicant and the Metro Rail Administration to give evidence, if any, by affidavit.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), where the Claims Commissionerconsiders it necessary for just decision of the case, hemay order cross-examination of any deponent.

7. Filing of reply and other documents by the respondents.-(1) The Metro Railway Administration may file its reply to the application and copies of the documents on or before the date of hearing of the application.

(2) In reply filed under sub-rule (1), the Metro Railway Administration shall specifically admit, deny or explain the facts stated in the application and state additional facts necessary in its reply.

8. Summary disposal of application.-The Claims Commissioner may, after considering the application, summarily dismiss the application, if for reasons to be recorded in writing, he is of the opinion that there are no sufficient grounds for proceeding therewith.

9. Ex-parte hearing and disposal of application.-(1) Where on the date fixed for hearing the application or any other date to which such hearing may be adjourned, the applicant appears and the representative of the Metro Railway Administration does not appear, the Claims Commissioner may, in his discretion, adjourn the hearing or hear and decide the application ex-parte.

(2) Where an application has been heard ex-parte against the Metro Railway Administration, the Metro Railway Administration may apply to the Claims Commissioner for an order to set aside the ex parte hearing, and if the Metro Railway Administration satisfies the Claims Commissioner that the notice was not duly served or that its representative was prevented by any sufficient cause from appearing, the Claims Commissioner may make an order setting aside the ex-parte hearing upon such terms as he thinks fit and shall appoint the day for proceeding with the application.

10. Disposal of application in default.-(1) Where on the date fixed for hearing the application or any other date to which such hearing may be adjourned, the representative of the Metro RailwayAdministration appears and the applicant does not appear, the Claims Commissioner may, at his discretion, adjourn the hearing or hear and decide the application in default.

(2) Where an application has been heard and disposed in default against the applicant, the latter may apply to the Claims Commissioner to set aside the order in default and if the applicant satisfies

the Claims Commissioner that the notice was not duly served or he was prevented by any sufficient cause from appearing, the Claims Commissioner may make an order setting aside the order in default, upon such terms as he thinks fit and shall appoint the day for proceeding with the application.

11. Summoning of witnesses and method of recording evidence.-(1) If an application is presented by any party to the proceedings for summoning of witnesses, the Claims Commissioner shall issue summons for the appearance of such witnesses unless he considers that their appearance is not necessary for the just decision of the case.

(2) The Claims Commissioner shall make a brief memorandum of substance of the evidence of every witness as the examination of the witness proceeds and such memorandum shall form part of the record:

Provided that if the Claims Commissioner does not make such memorandum, he shall record the reasons for his inability to do so and shall cause such memorandum to be made in writing and shall sign the same, and such memorandum shall form part of the record.

12. Decision of the Claims Commissioner.- The Claims Commissioner shall decide every application as expeditiously as possible on perusal of documents, affidavits and other evidence, if any, and after hearing such oral argument as may be advanced.

13. Order to be passed and signed.-(1) The Claims Commissioner, after hearing the applicant and the Metro Railway Administration, shall pass an order as he thinks fit, either at once or as soon as thereafter as may be practicable.

(2) Every order of the Claims Commissioner shall be in writing and shall be signed by him.

(3) An order made by the Claims Commissioner shall be executed as a decree of civil court and the provisions of the Code of Civil Procedure, 1908, so far as may be, and shall apply as they apply in respect of decree of a civil court.

14. Review of decision.-(1) Any person considering himself aggrieved by any order of the Claims Commissioner, on account of some mistake or error apparent on the face of the record, or for any other sufficient reason, may apply for review of a final order not being an interlocutory order, to the Claims Commissioner.

(2) Where it appears to the Claims Commissioner that there is no sufficient ground for a review, he shall reject the application.

(3) Where the Claims Commissioner is satisfied with the grounds made in the applivsyionand considers it in the interest of justice, he shall allow the application for review:

Provided that no such application for review shall be allowed without previous notice to the Metro Railway Administration or to enable it to appear and be heard in support of the order, a review of which is applied for.

15. Orders or directions by the Claims Commissioner.- Nothing in these rules shall be deemed to limit or otherwise affect the power of the Claims Commissioner to pass such orders or give such directions as may be necessary or expedient to give effect to his orders or to prevent abuse of the process or to secure the ends of justice.

16. Association of experts.-(1) The Claims Commissioner may, for the purpose of determining any claim for compensation associate one or more experts possessing any knowledge of any matter relevant to the inquiry.

(2) The fees or allowances, if any, to be paid to the persons associated with the inquiry under sub-rule (1), shall be determined by the Claims Commissioner as he considers necessary, and the same shall be paid by the Metro Railway Administration.

17. Amount of compensation.-(1) The amount of compensation payable in respect of death or injuries shall be as specified in the Second Schedule.

(2) The amount of compensation payable for an injury not specified in Part II or Part III of the Second Schedule but which, in the opinion of the Claims Commissioner, is such as to deprive a person of all his capacity to do any kind of work, shall be four lakh rupees.

(3) The amount of compensation payable in respect of any injury (other than an injury specified in the Second Schedule or referred to in sub-rule (2) resulting in pain and suffering), shall be such as the Claims Commissioner may, after taking into consideration medical evidence, besides other circumstances of the case, determine to be reasonable:

Provided that if more than one injury is caused by the same accident, compensation shall be payable in respect of each such injury:

Provided further that the total compensation in respect of all such injuries shall not exceed eighty thousand rupees.

(4) Where compensation has been paid for any injury which is less than the amount which would have been payable as compensation if the injured person had died , and the person subsequently dies of the injury, a further compensation equal to difference between the amount payable for death and amount already paid, shall become payable.

(5) The compensation for loss, destruction or deterioration of goods being carried by the passenger as his personal baggage, shall be paid to such an extent as the Claims Commissioner may, after taking into consideration all circumstances of the case, determine to be reasonable.

18. Limit of compensation.- Notwithstanding anything contained in rule 17, the total compensation payable under that rule shall in no case exceed five lakh rupees in respect of any one person.

The First Schedule

FORM

(See rule 3)

Application under section 58 of the Metro Railway (Operation and Maintenance) Act, 2002 (60 of 2002) for claims for compensation in respect of death or injury of passengers or destruction or damage to the goods being carried by them as their personal baggage.

PA

RT I Date of the Case:

Time of the Case:

PA

RT II

Sl. No.	Description of documents attached	Page No.
(1)	(2)	(3)
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

Signature of the

Applicant For use in Claims Commissioner’s Office

Date of filing

Or

Date of Receipt by post

Registration No.

PART III

In the Office of the Claims Commissioner

Between

…………………………………. Applicant

and

Metro Railway Administration

1. Particulars of the Applicant:

Name and address

2. Value of claim______

3. (i) Facts of the case:

(Give here a concise statement of facts in chronological order, each paragraph containing, as nearly as possible, a separate issue, fact or otherwise)

(ii) (a) Nature of relief sought

(b) Ground of relief

4. (i) Matters not previously filed or pending with any other court.

(State whether the applicant had previously filed any claim, writ petition or suit regarding the matter in respect of which the present application has been made.)

(ii) In case the applicants had previously filed any claims, application, writ petition or suit, indicate the stage at which it is pending, and if decided, attach a certified copy of the order

5. List of enclosures.

1.

2.

3.

Verification

I,…………………..(name of the applicant) S/o,D/o,W/o……………………………..............Age………Resident of……………………………………do hereby verify that the contents of paragra the legal advice given to me, and that I have not suppressed any material fact.

Signature of the applicant

Full address

Date:…………….

Place:……………………

The Second Schedule

(see rule 17)

COMPENSATION PAYABLE FOR DEATH AND INJURIES

PART I

Sl.No.	Nature of Injury	Amount of Compensation (in Rs.)
(1)	(2)	(3)
1.	For death	5,00,000

PART II

Sl.No.	Nature of Injury	Amount of Compensation (in Rs.)
(1)	(2)	(3)
1.	For loss of both hands or amputation at higher sites	4,00,000
2.	For loss of hand and a foot	4,00,000
3.	For double amputation through leg or thigh or amputation through leg or thigh on one side and loss of other foot	4,00,000
4.	For loss of sight to such an extent as to render the claimant unable to perform any work for which eye sight is essential	4,00,000
5.	For every severe facial disfigurement	4,00,000
6.	For absolute deafness	4,00,000

PART III

Sl.No.	Nature of Injury	Amount of Compensation (in Rs.)
(1)	(2)	(3)
1.	For amputation through shoulder joint	3,60,000
2.	For amputation below shoulder with stump less than 8” from tip of acromion	3,20,000
3.	For amputation from 8”from tip of acromion to less than 4 ½ ”below olecranon	2,80,000
4.	For loss of a hand or the thumb and four fingers of one hand of amputation from 4 ½ ” below space tip of olecranon	2,40,000
5.	For loss of thumb	1,20,000
6.	For loss of thumb and its metacarpal bone	1,60,000
7.	For loss of four fingers of one hand	2,00,000
8.	For loss of three finger of one hand	1,20,000
9.	For loss of two fingers of one hand	80,000
10.	For loss of terminal phalanx of thumb	80,000
11.	For amputation of both feet resulting in end-bearing stumps	3,60,000
12.	For amputation of both feet proximal to the metatarsophalangeal joint	3,20,000
13.	For loss of all toes of both feet through the metatarsophalangeal joint	1,60,000
14.	For loss of all toes of both feet proximal to the proximal interphalangeal joint	1,20,000
15.	For loss of toes of both feet distal to the proximal interphalangeal joint	80,000

16.	For amputation at hip	3,60,000
17.	For amputation below hip with stump not exceeding 5”in length measured from tip of great trenchanter but not beyond middle thigh	3,20,000

18.	For amputation below hip with stump exceeding 5”in length measured from tip of great trenchanter but not beyond middle thigh	2,80,000
19.	For amputation below middle thigh to 3 ½ below knee	2,40,000
20.	For amputation below knee with stump exceeding 3 ½” but not exceeding 5”	2,00,000
21.	Fracture of spine with paraplegia	2,00,000
22.	For amputation below knee with stump exceeding 5”	1,60,000
23.	From loss of one eye without complications the other being normal.	1,60,000
24.	For amputation of one foot resulting in end-bearing	1,20,000
25.	For amputation through one foot proximal to metatarsophalangeal joint	1,20,000
26.	Fracture of spine without paraplegia	1,20,000
27.	For loss of vision of one eye without complication of disfigurement of eye ball, the other being normal	1,20,000
28.	For loss of all toes of one foot through the metatarphalangeal joint	80,000
29.	Fracture of hip-joint	80,000
30.	Fracture of Major-Bone-Femur, Tibia of both limbs	80,000
31.	Fracture of Major-Bone-Humerus, Radius of both limbs	60,000
32.	Fracture of Pelvis not involving joint	40,000
33.	Fracture of Major Bone-Femur, Tibia of one limb	40,000
34.	Fracture of Major Bone-Humerus, Radius and Ulna of one limb	32,000

[F. No. K-14011/18/2016-MRTS-II]

MUKUND KUMAR SINHA, Officer on Special Duty (UT) and Ex-officio Jt. Secy.

अिधसूचना

नई ठद५ ली, 11 अ◌ॢ ैल, 2017

सा.का.िन. 354(अ).—के३ ंीय सरकार, मेᏋो रेल (◌ॢचालन और अनुरᭃण) अिधिनयम, 2002 (2002 का 60) क᳴

धारा 56 क᳴ उप-धारा (2) के खंड (i) ᳇ारा ◌ॢद० त शि᳘य᳠ का ◌ॢयोग करते ᱟए,

(i)ठद५ ली मेᏋो रेल (दावा आयु᳘ त के कदाचार अथवा असमथᭅता क᳴ अ३ वेषण ◌ॢठᮓया) िनयम, 2017,

(ii)बंगलौर मेᏋो रेल (दावा आयु᳘ त के कदाचार अथवा असमथᭅता क᳴ अ३ वेषण ◌ॢठᮓया) िनयम, 2011 और

(iii)चे३ नई मेᏮो रेल (दावा आयु□ त के कदाचार अथवा असमथ᳞ता क८ अ३ वेषण ◌ᱶᏧया) ि◌नयम,

2014 के अिधᏮमण म७

उन बात□ के ि◌सवाय अिधᏮ◌ा◌ंत करते ७ए, ि◌ज३ ह७ ऐसे अिधᏮमण से पूव᳞ ठकया गया है या करने का लोप ठकया गया है,

ि◌न◌ृ निलिखत ि◌नयम बनाती है, अथा᳞त्:-

1. सं◌ि◌ि◌◌ा त नाम और ◌ᱶ◌ारंभ (1) इन ि◌नयम□ का सं◌ि◌ि◌◌ा त नाम मेᏮो रेल (दावा आयु□ त के कदाचार या असमथ᳞ता के ि◌लए

अ३ वेषण ◌ᱶठᏮया) ि◌नयम, 2017 है ।

(2) ये राजप◌ु म७ ◌ᱶकाशन क८ तारीख से ◌ᱶवृ० त ह□गे ।

2. पᳯरभाषाएं (1) इन ि◌नयम□ म७, जब तक संदभ᳞ से अ३ यथा अपेि◌ि◌त न हो;

(क) ''अिधिनयम'' से मेᏮो रेल (◌ᱶचालन और अनुर◌ि◌ण) अिधिनयम, 2002 (2002 का 60) अिभ◌ᱶ◌ेत है ;

(ख) ''धारा'' से इस अिधिनयम क८ धारा अिभ◌ᱶ◌ेत है ;

(ग) ''३ यायाधीश'' से ि◌नयम 3 के उपिनयम (3) के अधीन जांच करने के ि◌लए ि◌नयु□ त ठकया गया उᲬ चतम ३ यायालय

का ३ यायाधीश अिभ◌ᱶ◌ेत है ।

(2) उन श᭣ द□ और पद□ के, जो इन ि◌नयम□ म७ ◌ᱶयु□ त ठकए गए ह. ठक३ तु इसम७ पᳯरभाि◌षत नह᳭ ह. और जो इस

अिधिनयम म७ पᳯरभाि◌षत ह., Ꮧमश: वही अथ᳞ ह□गे जो उनके इस अिधिनयम म७ ह. ।

3. पᳯरवाद□ क८ अ३ वेषण संबंधी सिमित (1) के३ ◌ीय सरकार, दावा आयु□ त के संबंध म७ कदाचार या उसके संबंध म७ पद

के कृ० य□ का पालन करने म७ असमथ᳞ता के ठक३ ही ि◌नि◌ि◌शकायत क८ ◌ᱶ◌ारंि◌भक संवी◌ि◌◌ा करेगी ।

त आरोप□ का अिभकथन करने वाली ि◌शकायत ◌ᱶ◌ा◌ त हो जाने पर, ऐसी

(2) यꠀद, कꠂ ीय सरकार ꠃारंꠁभक संवीꠄा ꠀकए जाने पर अꠁभकथन का अꠅ वेषण करना आव꠆ यक समझती है तो वह

उस समथꠇनकारी सामꠈी, जो उपलꠉ ध हो, के साथ ꠁशकायत, को ꠁशकायत मꠂ ꠀकए गए अꠁभकथन□ के आरोप□ का

अꠅ वेषण करने के ꠁलए ꠁनꠊ निलिखत ꠋ यꠁ□य□ से ꠁमलकर बनी सꠁमꠁत के समꠄ रखेगी, अथाꠇत् :-

i. सꠁचव (समꠅ वय और लोक ꠁशकायत) मंꠁꠌमंडल सꠁचवालय - अꠍ यꠄ

ii. सꠁचव, शहरी ꠁवकास मंꠌालय - सदꠎ य

iii. सꠁचव, ꠁवꠁध कायꠇ ꠁवभाग, ꠁवꠁध और ꠅ याय मंꠌालय - सदꠎ य

(3) सꠁमꠁत अꠅ वेषण कꠏ अपनी ही ꠃꠀꠐया और प□ꠁत तैयार करेगी ꠁजसमꠂ ꠁशकायतकताꠇ के साꠑ य का

अꠁभलेखन और उस जांच से सुसंगत सामꠈी का संꠈहण भी सꠁꠊमꠁलत हो सकेगा, जो इन ꠁनयम□ के अधीन भारत के

उꠒ चतम ꠅ यायालय के ꠅ यायाधीश ꠓारा कꠏ जाए ।

(4) सꠁमꠁत ऐसी अवꠁध के भीतर, जो इस ꠁनꠁमꠔ त केꠅ ीय सरकार ꠓारा ꠁवꠁनंदꠇꠕ ट कꠏ जाए, यथासंभव शीꠈ

केꠅ ीय सरकार को अपने ꠁनꠖ कषꠇ ꠃꠎ तुत करेगी ।

4. ꠅ यायाधीश ꠓारा जांच ꠀकया जाना-(1) यꠀद, केꠅ ीय सरकार, कꠏ यह राय है ꠀक दावा आयु□ त के कदाचार या उसकꠏ

असमथꠇता के ꠀकसी लांछन कꠏ सꠔ यता कꠏ जांच करने के ꠁलए युꠁ□यु□ त आधार ह. तो वह भारत के मु□ य

ꠅ यायमूꠗतꠇ को जांच

करने के ꠁलए उꠒ चतम ꠅ यायालय का एक ꠅ यायाधीश नाꠁमत करने के ꠁलए यह अनुरोध करेगा ꠀक वह एक ꠁनदꠘश करे ।

(2) कꠂ ीय सरकार आदेश ꠓारा जांच करने के ꠃयोजन के ꠁलए भारत के मु□ य ꠅ यायमूꠗतꠇ ꠁजसे इसमꠂ इसके

प◌ँ चात् ३ यायाधीश कहा गया है, ◌ारा नाि◌मत उ◌ु चतम ३ यायालय का ३ यायाधीश ि◌नयु□ त करेगा ।

(3) उप-ि◌नयम (2) के अधीन ३ यायाधीश क§ ि◌नयुि◌□ त क§ सूचना दावा आयु□ त को दी जाएगी ।

(4) के३ ◌ं◌ीय सरकार ि◌न◌ ि◌नलिखत क§ एक ◌ि◌त ३ यायाधीश को अ◌े◌ि◌षत करेगा :-

(क) संब□ दावा आयु□ त के ि◌व◌□ आरोप□ क§ मद◌ तथा लांछन का कथन

(ख) साि◌◌ि◌य□ का कथन, यि◌द कोई हो; और

(ग) जांच से सुसंगत ताि◌◌ वक द◌ तावेज

¹Hkkx IIµ[k.M 3(i)º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 17

(5) ३ ययायाधीश ऐसे समय या अित◌र□ त समय के भीतर, जो के३ ◌ं◌ीय सरकार ◌ारा ि◌विनंद◌ ट ि◌कया जाए, जांच को पूरा करेगा ।

(6) संब□ दावा आयु□ त को ऐसे समय के भीतर, जो ३ यायाधीश ◌ारा इस ि◌निम◌ त ि◌विनंद◌ ट ि◌कया जाए ◌ि◌तर◌◌ा के ि◌लिखत कथन को ◌◌ तुत करने का युि◌□ तयु□ त अवसर ि◌दया जाएगा।

(7) जहां यह अिभकथन ि◌कया जाता है ि◌क दावा आयु□ त ि◌कसी शारी◌रक या मानिसक असमथ◌ता के कारण अपने पद के कत◌ य□ का द◌◌तापूव◌क ि◌नवह◌न करने म◌ असमथ◌ है और अिभकथन का ◌◌ या□ यान ि◌कया जाता है तो वहां ३ यायाधीश ऐसे ि◌चि◌क◌ सा बोड◌ ◌ारा जो के३ ◌ं◌ीय सरकार ◌ारा इस ◌योजन के ि◌लए ि◌नयु□ त ि◌कया जाए, दावा आयु□ त क§ ि◌चि◌क◌ सीय परी◌◌ा कराने क§ ◌ यव◌ था कर सकेगा और संबंि◌धत दावा आयु□ त ३ यायाधीश ◌ारा इस ि◌निमत ि◌विनंद◌ ट समय के भीतर ि◌चि◌क◌ सीय परी◌◌ा के ि◌लए ◌ वयं पेश होगा ।

(8) ि◌चि◌क◌ सा बोड◌ दावा आयु□ त क§ ऐसी ि◌चि◌क◌ सीय परी◌◌ा करेगा जो आव◌ यक समझी जाए और उसम◌ यह कथन करते ◌ए ३ यायाधीश को एक ◌रपोट◌ ◌◌ तुत करेगा

ठक या असमथ‍ता इस ◌ृकार क‍ है जो दावा आयु त को पद पर बने रहने के िलए अयो य बनाती ह. ।

(9) यठद दावा आयु त ऐसी िचठक‍ सीय परी‍ा, जो िचठक‍ सा बोड‍ ‍ारा आव‍ यक समझी जाए,

कराने के िलए इंकार करता है, तो बोड‍, ‍ यायाधीश को एक ‍रपोट‍ उसम‍ ऐसी परी‍ा का कथन करते ‍ए ◌ृ‍ तुत करेगा िजसे कराने से दावा आयु त ने इंकार कर ठदया है और ‍ यायाधीश ऐसी ‍रपोट‍ के ◌ृा‍ त हो जाने पर यह उपधारणा कर सकेगा ठक दावा आयु त ऐसी शारी‍रक या मानिसक असमथ‍ता से ‍‍ त ह. िजसका िशकायत म‍ अिभकथन ठकया गया है ।

(10) ‍ यायाधीश, दावा आयु त के िलिखत कथन और िचठक‍ सा ‍रपोट‍, यठद कोई हो, पर िवचार करने के प‍ चात उपिनयम(4) के खंड (क) से िनंद‍‍ ट आरोप म‍ संशोधन कर सकेगा और ऐसे मामल म‍, दावा आयु त को ◌ृितर‍ा का एक नया िलिखत कथन ◌ृ‍ तुत करने का युि तयु त अवसर ठदया जाएगा ।

(11) के‍ ‍ीय सरकार, दावा आयु त के िव‍ मामला ◌ृस् तुत करने के िलए इस सरकार के ठकसी अिधकारी या ठकसी अिधव ता को िनयु त करेगा ।

(12) जहां के‍ ‍ीय सरकार ने ‍ यायाधीश के सम‍ अपने मामले को ◌ृ‍ तुत करने के िलए कोई अिधव ता िनयु त ठकया है वहां, दावा आयु त को उसके ‍‍ारा चुने गए अिधव ता ‍‍ारा अपने मामले को ◌ृ‍ तुत करने के िलए भी अनु‍ात ठकया जाएगा ।

5. जांच ‍रपोट‍ : अ‍ वेषण के समा‍ त हो जाने के प‍ चात् ‍ यायाधीश के‍ ‍ीय सरकार को अपनी ‍रपोट‍ ◌ृ‍ तुत करेगा िजसम‍ संपूण‍ मामले पर ऐसे सं◌ृे‍ण सिहत, जो वह ठीक समझ‍, पृथक ‍प से आरोप क‍ हर एक मद पर उसके िन‍ कष और कारण का कथन होगा।

6. िसिवल ◌ृठ‍या संिहता के उपबंध से आब कर न होना : िनयम 4 के अधीन जांच करते समय, ‍ यायाधीश िसिवल

ॎ꣐ठĹया संिहता,1908 (1908 का 5) ꠸Ŀ꠹ारा अिधकिथत ॎ꣐ठĹया से आब□कर नहऱ होगा ठक३ तु नैसꣳगꣴाक

३ याय के िस□ां ंत□ ꠸Ŀ꠹ारा

मागꣴादꣳशꣴात होगा और अपनी ꠶ वंय कꣷ ॎ꣐ठĹया, िजसके अंतगꣴात उसकꣷ जांच के ꠶ थान और समय भी है, को िविनयिमत करने कꣷ शि□ त होगी ।

7. दावा आयु□ त का िनलंबन : िनयम 4 मꠁ ठकसी बात के होते ꠀए और उ□ त िनयम के अनुसार कꣷ जा रही ठकसी कारꣴावाई पर ꣐ितकूल ꣐भाव डाले िबना, के३ ꣂीय सरकार आरोप□ कꣷ गंभीरता को ꣔ यान मꠁ रखते ꠀए उस दावा आयु□ त को िनलंिबत कर सकेगी िजसके िव꠱□ िशकायत का अ३ वेषण ठकया जा रहा है या जांच कꣷ जा रही है ।

8. जीवन िनवाꣴाह भꣵ ता : िनलंबनाधीन दावा आयु□ त को जीवन िनवाꣴाह भꣵ ते का संदाय समतु꠵ य वेतन ꣐ा꣙ त करने वाले भारत सरकार के ठकसी अिधकारी को तꣵ समय लागू िनयम□ और आदेश□ के अनुसार िविनयिमत ठकए जाएंगे ।

[फा. सं. के-14011/18/2016-एमआरटीएस-II]

मुकु३ द कुमार िस३ हा, िवशेष कायꣴा अिधकारी (शहरी पꣳरवहन) और पदेन संयु□ त सिचव

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th April, 2017

G.S.R. 354(E).—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-section (2) of section 56 of the Metro Railways (Operation and Maintenance) Act, 2002 (60 of 2002), and in supersession of

(i) the Delhi Metro Rail (Procedure for Investigation of Misbehaviour or incapacity of Claims Commissioner) Rules, 2007,

(ii) the Bangalore Metro Rail (Procedure for investigation of Misbehaviour or Incapacity of Claims Commissioner) Rules, 2011 and

(iii) The Chennai Metro Rail (Procedure for Investigation of Misbehaviour or Incapacity of Claims Commissioner) Rules, 2014, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Metro Railways (Procedure for Investigation of Misbehaviour or Incapacity of the Claims Commissioner) Rules, 2017.

2. Definitions.- (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

(a) "Act" means the Metro Railways (Operation and Maintenance) Act,2002 (60 of 2002);

(b) "section" means a section of the Act;

(c) "Judge" means the Judge of the Supreme Court appointed for conducting the inquiry under sub-rule (3) of rule 3.

(2) Words and expressions used in these rules and not defined, but defined in the Act, shall have the meanings, respectively assigned to them in the Act.

3. Committee for investigation of complaints.-(1) The Central Government, on receipt of a complaint alleging any definite charges of misbehavior in respect of or incapacity to perform the functions of the office in respect of the Claims Commissioner, shall make a preliminary scrutiny of such complaint.

(2) If, on preliminary scrutiny, the Central Government, considers it necessary to investigate into the allegation, it shall place the complaint together with supporting material, as may be available, before a Committee consisting of the following persons to investigate the charges of allegations made in the complaint, namely:-

(i) Secretary (Co-ordination and Public Grievances) Cabinet Secretariat — Chairman.

(ii)Secretary, Ministry of Urban Development —Member

(iii)Secretary, Department of Legal Affairs, Ministry of Law and Justice —Member

(3) The Committee shall devise its own procedure and method of investigation which may include recording of evidence of the complainant and collection of material relevant to the inquiry which may be conducted by a Judge of the Supreme Court of India under these rules.

(4) The Committee shall submit is findings to the Central Government as early as possible within a period as may be specified by the Central Government in this behalf.

4. Judge to conduct inquiry.-(1) If the Central Government is of the opinion that there are reasonable grounds for making an inquiry into the truth of any imputation of misbehaviour or incapacity of Claims Commissioner, it shall make reference to the Chief Justice of India requesting him to nominate a Judge of the Supreme Court to conduct the inquiry.

(2) The Central Government shall, by order, appoint the Judge of the Supreme Court nominated by the Chief Justice of India (hereinafter referred to as Judge) for the purpose of conducting the inquiry.

(3) Notice of appointment of a Judge under sub-rule (2) shall be given to the Claims Commissioner.

(4) The Central Government shall forward to the Judge a copy of-

(a)the articles of charges against the Claims Commissioner concerned and the statement of

imputation;

(b)the statement of witnesses, if any; and

(c) material documents relevant to the inquiry.

(5) The Judge shall complete the inquiry within such time or further time as may be specified by the Central Government.

(6) The Claims Commissioner concerned shall be given a reasonable opportunity of presenting a written statement of defence within such time as may be specified in this behalf by the Judge.

(7) Where it is alleged that the Claims Commissioner is unable to discharge the duties of his office efficiently due to any physical or mental incapacity and the allegation is denied, the judge may arrange for the medical examination of the Claims Commissioner by such Medical Board as may be appointed for the purpose by the Central Government and the Claims Commissioner concerned shall submit himself to such Medical Examination within the time specified in this behalf by the Judge.

(8) The Medical Board shall undertake such medical examination of the Claims Commissioner as may be considered necessary and submit a report to the Judge stating therein whether the incapacity is such as to render the Claims Commissioner unfit to continue in office.

(9) If the Claims Commissioner refuses to undergo such medical examination as considered necessary by the Medical Board, the Board shall submit a report to the Judge stating therein the examination which the Claims Commissioner has refused to undergo and the Judge may on receipt of such report presume that the Claims Commissioner suffers from such physical or mental incapacity as is alleged in the complaint.

(10) The Judge may, after considering the written statement of the Claims Commissioner and the Medical Report, if any, amend the charges referred to in clause (a)of sub-rule (4) and in such a case the Claims Commissioner shall be given a reasonable opportunity of presenting a fresh written statement of defence.

(11) The Central Government shall appoint an officer of that Government or any Advocate to present the case against the Claims Commissioner.

(12) Where the Central Government has appointed an Advocate to present its case before the Judge, the Claims Commissioner shall also be allowed to present his case by an Advocate chosen by him.

5. Inquiry report.- After the conclusion of the investigation, the Judge shall submit his report to the Central Government stating therein his findings and the reasons thereof on each of the articles of charge separately with such observations on the whole case as he thinks fit.

6. Provisions of Civil Procedure Code not binding.- The Judge , while conducting an inquiry under rule 4, shall not be bound by the procedure laid down by the Civil Procedure Code, 1908 (5 of 1908) , but shall be guided by the principles of natural justice and shall have power to regulate his own procedure including the fixing of places and times of his inquiry.

7. Suspension of Claims Commissioner.- Notwithstanding anything contained in rule 4 and without prejudice to any action being taken in accordance with the said rule, the Central Government, keeping in view the gravity of charges, may suspend the Claims Commissioner against whom a complaint is under investigation or inquiry.

8. Subsistence allowance.-The payment of subsistence allowance to Claims Commissioner under suspension shall be regulated in accordance with the rules and orders for the time being applicable to an officer of the Government of India drawing an equivalent pay.

[F. No. K-14011/18/2016-MRTS-II]

MUKUND KUMAR SINHA, Officer on Special Duty (UT) and Ex-Officio Jt. Secy.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064 and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR
Date: 2017.04.20 13:30:43 +05'30'